परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय - 2, हैदराबाद

कक्षा - नवीं विषय - हिन्दी व्याकरण - अध्याय - 3. **अर्थ के आधार पर वाक्य भेद**

अर्थ के आधार पर वाक्य भेद- अर्थ के आधार पर वाक्यों के निम्नलिखित आठ भेद होते हैं-

1. **विधानवाचक वाक्य** (Imperative Sentence) – जिन वाक्यों में किसी क्रिया के करने या होने की सामान्य सूचना मिलती है,उन्हें विधानवाचक वाक्य कहते हैं । किसी के अस्तित्व का बोध भी इस प्रकार के वाक्यों से होता है। जैसे-

   सूर्य पश्चिम में अस्त होता है ।

   जनता ने नेताजी का स्वागत किया ।

   मैं कल दिल्ली गया था ।

   हम स्नान कर चुके ।

2. **निषेधवाचक वाक्य** (Negative Sentence) - जिन वाक्यों में किसी कार्य के निषेध (न होने) का बोध होता हो, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं । इन्हें नकारात्मक वाक्य भी कहते हैं। जैसे -

   मैं आज नहीं पढ़ूँगा ।

   माला नहीं नाचेगी ।

   आज गणित के अध्यापक ने कक्षा नहीं ली ।

3. **प्रश्नवाचक वाक्य** (Interrogative Sentence) – जिन वाक्यों में प्रश्न किया जाए अर्थात किसी से कोई बात पूछी जाए,उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे -

   क्या तुम खेलोगे ?

   तुम पढ़ने कब जाओगे ?

   तुम्हारा क्या नाम है ?

4.विस्मयादिवाचक वाक्य (Interjective Sentence) - जिन कार्यों से आश्चर्य (विस्मय),हर्ष,शोक,घृणा आदि के भाव व्यक्त हों,उन्हें विस्मयादिवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-

   अरे ! इतनी लंबी रेलगाड़ी ।

   ओह ! बड़ा जुल्म हो गया ।

   अहा ! कैसा सुंदर दृश्य है ।

   अच्छा ! तुमने भी स्नान कर लिया ।

5.आज्ञावाचक वाक्य (Denotive Order Sentence)- जिन वाक्यों से आज्ञा या अनुमति देने का बोध हो, उन्हें आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं। जैसे-

आप चुप रहिए ।

यहाँ से चले जाइए ।

अपना - अपना काम करो ।

आप जा सकते हैं ।

6. इच्छावाचक वाक्य (Denotive Desire Sentence) – वक्ता की इच्छा,आशा या आशीर्वाद को व्यक्त करने वाले वाक्य इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं। जैसे-

ईश्वर तुम्हें चिरायु करे ।

नववर्ष मंगलमय हो ।

भगवान करें,सब कुशल लौटे ।

7. संदेहवाचक वाक्य (Doubtfull Sentence)- जिन वाक्यों के कार्य के होने में संदेह अथवा संभावना का बोध हो, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं । जैसे -

संभवतः वह सुधर जाए ।

शायद मैं बाहर चला जाउँ ।

वह शायद आए ।

8. संकेतवाचक वाक्य (Indicative Sentence) – जिन वाक्यों से एक क्रिया के दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध हो,उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं। इन्हें हेतुवाचक वाक्य भी कहते हैं। इसमें कारण, शर्त आदि का बोध होता है। जैसे-

वर्षा होती, तो फसल अच्छी होती ।

आप आते, तो इतनी मुसीबत न आती ।

यदि छुट्टियाँ हुई, तो हम कश्मीर अवश्य जाएँगे ।

********** **********